

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

पश्चात्तरी पैदा हुई। पार्थिवी वकील अनुवा
पुंके मूलवाद को अदालत के अदालत कार्यालय में
वकील के पास जा चुका है अब वह अदालत को अपने
चलाके का कोई मौखिक नहीं है अतः वह अदालत की
कार्यवाही सभी स्तर पर प्रभाव भी जाती है।

पश्चात्तरी केवल सुनार होकर दायरेल दस्ता है।
संख्या से अतः होकर मूलवाद के तलम है।

